'युवाओं को गढ़ने में शिक्षकों की भूमिका' ऑनलाइन कार्यक्रम

नैतिक और आध्यात्मिक मूल्यों से बच्चों को संस्कारित करने की ज़रूरत : राज्यपाल

रायपुर-छ.ग.। शिक्षक दिवस के अवसर पर ब्रह्माकुमारीज़ के शिक्षाविद् सेवा प्रभाग द्वारा 'युवाओं को गढ़ने में शिक्षकों की भूमिका' विषय पर आयोजित ऑनलाइन वेबिनार में झारखण्ड के राज्यपाल रमेश बैस ने कहा कि व्यक्ति को शिक्षित करने में शिक्षक के व्यावहारिक जीवन और आचरण का बहुत अधिक प्रभाव पड़ता है। इसलिए शिक्षक का जीवन समाज के आगे आदर्श रूप में होना चाहिए। आध्यात्मिक और नैतिक मूल्यों की शिक्षा से मनुष्य का व्यवहार श्रेष्ठ और चरित्र महान बनता है। वर्तमान शिक्षा में आध्यात्मिक और नैतिक मूल्यों को शामिल कर बच्चों को अच्छी तरह सुसंस्कारित करने की ज़रूरत है।

छत्तीसगढ़ के स्कूली शिक्षा मंत्री डॉ. प्रेम साय सिंह ने कहा कि विद्यार्थी जीवन कच्चे घड़े की तरह होता है, उसे हम जैसा आकार देना चाहें वह दे सकते हैं। इसीलिए विद्यार्थियों को बचपन से नैतिक शिक्षा देने की ज़रूरत है। खुशी की बात है कि ब्रह्माकुमारी संस्था बच्चों को नैतिक शिक्षा देकर चरित्रवान बना रही है। उच्च शिक्षा मंत्री उमेश पटेल ने कहा कि माता-पिता के बाद सबसे अधिक पूजनीय शिक्षक होते हैं। मेरे व्यक्तिगत चरित्र निर्माण में शिक्षकों का बहुत योगदान रहा है। वर्तमान समय शिक्षा और शिक्षकों में नई टेक्नोलॉजी का उपयोग करने की ज़रूरत है। इंदौर की मुख्य क्षेत्रीय समन्वयक ब्र.कु. हेमलता दीदी ने कहा कि वर्तमान शिक्षा किसी को अच्छा डॉक्टर, इंजीनियर बना सकती है किन्तु वह उसे अच्छा इंसान नहीं बना सकती। आध्यात्मिकता के अभाव में उसके पास निर्णय शक्ति, परखने की शक्ति, आत्मनियंत्रण की शक्ति और नैतिकता की शक्ति नहीं है। इंदिरा गांधी कृषि वि.वि. के कुलपति डॉ. एस.के. पाटिल ने कहा कि शिक्षक राष्ट्र का निर्माता होता है। ईश्वर से पहले गुरू को प्रणाम करने की परंपरा हमारे देश में रही है। कदम-कदम पर बच्चे को मार्गदर्शन की ज़रूरत होती है। उसका सही मार्गदर्शन करना गुरू का काम है। शिक्षा मनुष्य को परिपूर्ण बनाती है।

चर्चा में... शिक्षक के श्रेष्ठ आचरण के साथ आध्यात्मिक व नैतिक मूल्यों की शिक्षा को बढ़ावा देने पर दिया गया ज़ोर

राजयोगिनी ब्र.कु. प्रेमलता दीदी 'वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉर्ड्स' लंदन द्वारा सम्मानित

मोहाली-पंजाब। राजयोगिनी ब्र.कु. प्रेमलता दीदी,संचालिका,राजयोग केन्द्र,मोहाली-रोपड़ क्षेत्र को वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉर्ड्स,लंदन द्वारा लॉकडाउन में कोरोना महामारी के दौरान मानवता के लिए लोक कल्याण में अपना अमूल्य योगदान देने हेतु 'सर्टिफिकेट ऑफ कमिटमेंट' स्वीटज़रलैंड से सम्मानित किया गया।

पंजाब के पूर्व स्वास्थ्य मंत्री व वर्तमान विधायक बलबीर सिंह सिद्धू ने सुख-शांति भवन,फेज़ 7 मोहाली में आयोजित कार्यक्रम में राजयोगिनी ब्र.कु. प्रेमलता दीदी को 'सर्टिफिकेट ऑफ कमिटमेंट' स्वीटज़रलैंड प्रमाण पत्र से सम्मानित किया। इस अवसर पर वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉर्ड्स,लंदन के राष्ट्रीय सचिव डॉ. ब्र.कु. दीपक हरके, ब्रह्माकुमारीज़ रोपड़ की संचालिका ब्र.कु. रमा दीदी, खरड़ की संचालिका ब्र.कु. भावना व ब्र.कु. नम्रता, ब्र.कु. अमन, ब्र.कु. रषजीत, ब्र.कु. मीना, ब्र.कु. सुमन, ब्र.कु. जसबीर सिंह व विनोद भाई मंच पर उपस्थित रहे। मौके पर बलबीर सिंह सिद्धू ने ब्रह्माकुमारी संस्था व विशेष रूप से ब्र.कु. प्रेमलता दीदी को बधाई देते हुए कहा कि समाज सेवा के लिए ये हमारे प्रेरणास्रोत हैं। इनके प्रयासों से और भारत तथा पंजाब सरकार के सहयोग से कोरोना काल में पंजाब के लोगों की जो जानें बचाई जा सकी हैं, उसकी भारत व कैनेडा के प्रधानमंत्री तक ने सराहना की है। डॉ. ब्र.कु. दीपक हरके ने कहा कि ब्र.कु. प्रेमलता दीदी ने कोरोना महामारी के दौरान विश्व स्वास्थ्य संगठन,भारत सरकार व राज्य सरकार के दिशानिर्देशों, सही खानपान व दवाइयों के साथ-साथ राजयोग द्वारा इम्यूनिटी बढ़ाने की युक्तियों से हज़ारों की जान बचाई जिस कारण उन्हें इस सर्टिफिकेट ऑफ कमिटमेंट से सम्मानित किया गया है। राजयोगिनी ब्र.कु. प्रेमलता दीदी ने डॉ. ब्र.कु. दीपक हरके व बलबीर सिंह सिद्धू का धन्यवाद करते हुए कोरोना काल में की गई समाज सेवा का श्रेय अपनी ब्रह्माकुमारीज़ की मोहाली टीम को दिया तथा सभी लोगों को निःशुल्क राजयोग सीखने व अभ्यास के लिए प्रेरित किया।

परमात्मा नारी शक्ति द्वारा करा रहे विश्व परिवर्तन

इंदौर-म.प्र.। ब्रह्माकुमारीज़ के क्षेत्रीय मुख्यालय ज्ञानशिखर ओमशान्ति भवन न्यु पलासिया में नवरात्रि के शुभ अवसर पर नारी शक्ति के विभिन्न रूपों को दर्शाती चैतन्य देवियों की भव्य झाँकी का उद्घाटन अरविंदो मेडिकल युनिवर्सिटी के चांसलर डॉ. मंजू भण्डारी, एम.वाय. हॉस्पिटल के अधीक्षक डॉ. सलील भार्गव, डॉ. शांतनु भार्गव, भारत सरकार संस्कृति मंत्रालय के एन.सी.एफ. के सदस्य डॉ. भरत शर्मा, हास्य कवि प्रो. राजीव शर्मा, यातायात के डी.एस.पी. संतोष उपाध्याय, टी.आई. दिलीप सिंह परिहार, ए.आर.टी.ओ. श्रीमति अर्चना मिश्रा सोडानी, डायग्नोस्टिक के डायरेक्टर डॉ. राजेन्द्र सोडानी, आई.एम.ए. इंदौर की सचिव लायन डॉ. साधना सोडानी, ब्रह्माकुमारीज़ की क्षेत्रीय समन्वयक ब्र.कु. हेमलता दीदी, वरिष्ठ राजयोग शिक्षिका ब्र.कु. अनीता दीदी तथा ब्र.कु. उषा दीदी द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। इस अवसर पर ब्र.कु. हेमलता दीदी ने बताया कि वर्तमान समय हम सबके परमपिता परमात्मा शिव इस धरा पर अवतरित होकर नारी शक्ति के द्वारा विश्व परिवर्तन का कार्य करा रहे हैं। इस मौके पर डॉ. बोस, डॉ. एस.डी. जोशी, डॉ. शारदा जोशी, डॉ. आनंद सिंघी, नवभारत समूह के प्रदेश हेड क्रांति चतुर्वेदी, स्वदेश के संपादक जितेन्द्र शर्मा सहित शहर के हज़ारों गणमान्य लोगों ने झाँकी का अवलोकन किया। विजयादशमी के अवसर पर संस्था सेवा सुरभि के अध्यक्ष ओमप्रकाश नरेड़ा, समाजसेवी राजेश गोयल, डॉ. मनोज झलानी, डॉ. शिल्पा देसाई आदि उपस्थित रहे। सभी ने देवियों का दर्शन कर, रावण का पुतला जलाकर स्वयं के भीतर बैठे विकारों रूपी रावण को भी समाप्त करने का संकल्प लिया।

नवरात्रि पर हुई राजयोग तपस्या

चित्तौड़गढ़-राज.। ब्रह्माकुमारीज़ के प्रतापनगर,चित्तौड़गढ़ सेवाकेन्द्र पर नवरात्रि के उपलक्ष्य में 'राजयोग तपस्या' कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। इस मौके पर ब्र.कु. आशा दीदी ने बताया कि जहां नारी का सम्मान होता है वहां देवता निवास करते हैं, नारी का अपमान जहां शुरु हो जाये वहीं से पतन भी शुरु हो जाता है। स्वयं विश्व रचयिता, तीनों लोकों के स्वामी, सर्व आत्माओं के पिता भगवान शिव ने नारी शक्ति को सम्मान प्रदान किया है। शिव, शक्ति बिना कुछ नहीं और शक्ति भी बिना शिव के कुछ नहीं है। दोनों एक-दूसरे के पूरक हैं। राजयोग तपस्या में हम जब मन को उस पिता परमेश्वर से जोड़ते हैं तो हम शिव-शक्ति स्वरूप का अनुभव करते हैं। परमपिता की सर्वोच्च शक्तियों के हम अधिकारी बन जाते हैं। जब नारी शक्ति शिव से जुड़ जाती है तो वो शिवशक्ति कहलाती है। इन्हीं शिव की शक्तियों से परमात्मा शिव सम्पूर्ण विश्व का कल्याण करते हैं जिसका यादगार पर्व नवरात्रि हम मनाते हैं। विद्युत उत्पादन इंजीनियर संदीप जड़िया,बांसवाड़ा ने कहा कि जैसे विद्युत बिना उपकरण नहीं चलते हैं वैसे आज के तनाव भरे माहौल में राजयोग हमारे अंदर सकारात्मक ऊर्जा का संचार करता है। मोबाइल रोज़ चार्ज करते हैं, वैसे ही हमें कुछ समय राजयोग का अभ्यास करना चाहिए। इससे कार्यक्षेत्र पर कार्य करते हुए हमें हल्केपन व तनाव मुक्त जीवन का अनुभव होता है। मैं पिछले 14 सालों से इस विश्वविद्यालय से जुड़ा हूँ। सुबह-शाम कार्य पर होते हुए भी कुछ समय राजयोग अभ्यास के लिए ज़रूर निकालता हूँ। मौके पर विकास अधिकारी नेहा परिहार व अन्य भाई-बहनें उपस्थित रहे।

आसुरी वृत्तियों की समाप्ति का महापर्व है नवरात्रि

सारंगपुर-म.प्र.। नवरात्रि के अवसर पर ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा चैतन्य देवियों की झाँकी का सुंदर आयोजन किया गया। कार्यक्रम में पूर्व विधायक एवं अनु. जाति प्रांत उपाध्यक्ष गौतम टेटवाल, विजयवर्गीय समाज के प्रांत अध्यक्ष ओ.पी. विजयवर्गीय, लायंस क्लब के रीजन चेयरपर्सन महेश शर्मा, समाज सेवी ओम पुष्पद, रिटा. प्रिन्सीपल सत्यनारायण शर्मा, रिटा. प्रिन्सीपल पी.एस. पांडेय, अनिल गुप्ता, ब्र.कु. भाग्यलक्ष्मी, ब्र.कु. प्रीति तथा अन्य भाई-बहनें उपस्थित रहे। ब्र.कु. भाग्यलक्ष्मी दीदी ने कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए कहा कि नवरात्रि पर्व सिर्फ शक्तियों की आराधना का पर्व नहीं, बल्कि परमात्मा शिव की शक्तियों को स्वयं में धारण कर शिव शक्ति बनने का महापर्व है। अष्ट भुजा जो देवी को दिखाई गई है, उसका आध्यात्मिक रहस्य यही है कि हम अष्ट शक्तियाँ जैसे समाने की शक्ति, सामना करने की शक्ति, सहयोग की शक्ति, परखने की शक्ति आदि शक्तियों को अपने अंदर धारण करें। शक्ति स्वरूपा बन स्वयं के विकारों, दुर्गुणों एवं आसुरी वृत्तियों को समाप्त करने का महापर्व नवरात्रि है।

RNI NO RAJHIN/2000/00721, POSTAL REGD. RJ/SIROHI/9623/21-23, Posting at Shantivan-307510 (Abu Road)
Licensed to post without prepayment RJ/WR/WPP/003/2021-23, Posting on 12th TO 14th and 22nd TO 24th each month, published on 12th Nov, 2021
स्वामी - राजयोगा एजुकेशन एंड रिसर्च फाउंडेशन, प्रकाशक एवं सम्पादक - गंगाधर नरसिंघानी, मुद्रक - श्री मुकेश मंगल, डी.बी. कॉर्प.लि. द्वारा भास्कर प्रिन्टिंग प्रेस,शिवदासपुरा, टोंक रोड,जयपुर से मुद्रित एवं ओम शान्ति मीडिया, ब्रह्माकुमारीज़,शांतिवन-राज. से प्रकाशित।
कार्यालय - ओम शान्ति मीडिया, ब्रह्माकुमारीज़, शांतिवन, आबू रोड(राज.)- 307510
See Latest News - www.omshantimedia.org